शोक-प्रकाश

माननीय सदस्यगण,

विगत् सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से बहुत से राजनेता, कलाकार, लेखक, समाजसेवी और आम नागरिक गुजर गये हैं। इनमें पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी समेत रघुवंश प्रसाद सिंह, राजेन्द्र प्रसाद सिंह आदि प्रमुख हैं।

देश के तेरहवें राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणव मुखर्जी का निधन 31 अगस्त, 2020 को हो गया। प्रणव मुखर्जी के देहांत से भारतीय राजनीति में एक युग का अवसान हो गया। प्रणव बाबू को आधुनिक भारत के रचनाकारों में से एक कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और देश के प्रथम नागरिक के रूप में उन्होंने जो योगदान दिए वे तो अभूतपूर्व हैं ही उनकी अतुलनीय योग्यता के कारण यह अक्सर कहा जाता था कि, "He was the best Prime Minister that nation never had" वे पहली बार जुलाई. 1969 में राज्य सभा के लिए चुने गए। राजनीति में उनकी गणना अजातशत्रु के रूप में होती थी। उन्हें भिन्न-भिन्न राजनीतिक विचार धाराओं के बीच सुदृढ़ सेतु के रूप में जाना जाता था। उनके निधन से भारतीय राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है।

दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार योजना नरेगा या मनरेगा के जनक पूर्व केन्द्रीय मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह का निधन दिनांक-13 सितम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 सिंह बिहार के वैशाली से पाँच बार सांसद रहे।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के भी वे सूत्रधार रहे, रघुवंश बाबू गणित के प्रोफेसर भी रहे। लोक नायक जयप्रकाश और कर्पूरी ठाकुर के अनुयायी रघुवंश बाबू की पहचान गरीबों की आवाज के रूप में होती थी। वे बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष भी रहे। उनके निधन की सूचना से हम मर्माहत हैं।

बेरमो से काँग्रेस के टिकट पर निर्वाचित राजेन्द्र प्रसाद सिंह का निधन 24 मई, 2020 को इलाज के दौरान दिल्ली में हो गया। राजेन्द्र बाबू पहली, तीसरी और पाँचवीं विधानसभा के सदस्य थे। इसके पूर्व वे बिहार विधानसभा के भी सदस्य रहे। श्रमिक संगठन से अपनी राजनीति की शुरुआत करने वाले राजेन्द्र प्रसाद सिंह जी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 विन्देश्वरी दूबे की विरासत को संभालने वाले प्रख्यात राजनेता थे। वे बिहार से लेकर झारखण्ड सरकार तक में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे। उनकी गिनती काँग्रेस के बड़े नीति निर्धारकों में होती थी। उनके निधन से न केवल झारखण्ड वरन् सम्पूर्ण देश की मजदूर राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है।

कन्या कुमारी से काँग्रेस के लोकसभा के बसंत कुमार का दिनांक-28 अगस्त, 2020 को निधन हो गया। स्व0 कुमार की गिनती काँग्रेस के कद्दावर राजनेता के रूप में होती थी।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य मंत्री शिवाजी राव पाटिल निलंगेकर का 89 वर्ष की उम्र में दिनांक-05 अगस्त, 2020 को निधन हो गया। वे एक कर्मठ राजनेता और कुशल प्रशासक थे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन का दिनांक-21 जुलाई, 2020 को निधन हो गया। स्व0 टंडन मायावती सरकार एवं कल्याण सिंह सरकार में आवास एवं नगर विकास मंत्री भी रहे। अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश में उनकी गिनती भारतीय जनता पार्टी के महानायक अटल जी के उत्तराधिकारी के रूप में होती थी।

राज्य सभा सदस्य और पूर्व समाजवादी पार्टी नेता अमर सिंह जी का दिनांक-01 अगस्त, 2020 को निधन हो गया। स्व0 सिंह किडनी रोग से पीड़ित थे और लम्बे समय से विदेश में इलाजरत थे।

समाजवादी पार्टी के राज्य सभा सदस्य एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा का देहान्त दिनांक-27 मार्च, 2020 को गया। स्व0 वर्मा 1996 से 1998 तक भारत सरकार में संचार मंत्री एवं 2011 से 2014 तक इस्पात मंत्री रहे। स्व0 वर्मा का निधन समाजवादी राजनीति के लिए एक गहरा आघात है। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी का निधन दिनांक-29 मई, 2020 को हो गया। वे एक योग्य प्रशासक और लोकप्रिय राजनेता थे। अपने समय में वे काँग्रेस के प्रमुख नीति-निर्धारकों में से एक थे। सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश का निधन दिनांक-11 सितम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 अग्निवेश 1977 में हरियाणा विधानसभा के सदस्य भी रहे। स्व0 अग्निवेश जिन्दगी भर समाज सुधार के लिए समर्पित रहे।

उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व क्रिकेटर चेतन चौहान का देहान्त दिनांक-16 अगस्त, 2020 को हो गया। स्व0 चौहान का सियासी सफर भी क्रिकेट की तरह सफल ओपनर जैसा रहा।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव सत्यनारायण सिंह का दिनांक-02 अगस्त, 2020 को देहान्त हो गया। स्व0 सिंह खगड़िया जिले के चौथम से बिहार विधानसभा के सदस्य भी रहे थे।

पूर्व सांसद और समाजवादी नेता राम अवधेश सिंह का निधन दिनांक-20 जुलाई, 2020 को पटना में हो गया। स्व0 सिंह 1977 में लोकदल के टिकट पर विक्रमगंज लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुए थे।

काँके विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रहे रामचन्द्र बैठा का निधन दिनांक-25 मार्च, 2020 को हो गया। स्व0 बैठा काँके विधानसभा सुरक्षित सीट से भाजपा के टिकट पर 1990, 1995. 2005 और 2009 में विधायक रहे। हम उनके निधन की सूचना से स्तब्ध हैं।

पूर्व कानून मंत्री और कांग्रेस नेता हंसराज भारद्वाज का निधन दिनांक-08 मार्च, 2020 को दिल का दौरा पड़ने से दिल्ली में हो गया। स्व0 भारद्वाज पाँच साल तक कर्नाटक के राज्यपाल भी रहे।

संविधान के मूल ढाँचे का सिद्धान्त दिलाने वाले संत और 'संविधान के रक्षक' केशवानंद भारती का निधन दिनांक-06 सितम्बर, 2020 को हो गया। केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य फैसला आज भी प्रासंगिक है

और दुनिया की कई अदालतों में इसका दृष्टांत दिया जाता है। कानून के जानकार स्व0 भारती का ऋणी यह देश लम्बे समय तक रहेगा।

संयुक्त बिहार में विधान परिषद के सदस्य रहे और अलग धर्म कोड की मांग उठाने वाले छत्रपति शाही मुण्डा का निधन दिनांक-13 सितम्बर, 2020 को हो गया। छत्रपति शाही मुण्डा समाज के लिए जनगणना में अलग धर्म कोड की मांग को लेकर संघर्षरत रहे।

छऊ नृत्यकार पद्मश्री मंगलाचरण मोहंती का देहान्त दिनांक-04 सितम्बर, 2020 को हो गया। वर्ष - 2003 में झारखण्ड सरकार ने स्व मोहंती को झारखण्ड रत्न से भी सम्मानित किया। स्व0 मोहंती छऊ नृत्य की पहचान बनाने के लिए छः दशक तक कार्यरत रहे।

बिहार विधान परिषद के दो बार सदस्य रहे रवीन्द्र ताँती का निधन दिनांक-14 अगस्त, 2020 को हो गया। स्व0 ताँती अति पिछड़ा आयोग के सदस्य भी रहे।

चंदन कियारी विधानसभा सीट से दो बार सदस्य रहे दुर्गा चरण दास का निधन दिनांक-07 अगस्त, 2020 को हो गया। स्व0 दास बिहार सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री भी रहे।

खरसावाँ राजघराने के राजा प्रदीप चन्द्र सिंहदेव का निधन-19 अगस्त, 2020 को हो गया। स्व0 सिंहदेव अपने क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे।

महान शास्त्रीय गायक पंडित जसराज का निधन दिनांक-17 अगस्त, 2020 को हो गया। स्व0 जसराज को पद्मश्री, पद्म भूषण एवं पद्म

विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था। सौर मंडल के एक उपग्रह का नाम भी उनके नाम पर रखा गया है।

मशहूर शायर राहत इंदौरी का निधन दिनांक-11 अगस्त, 2020 को दिल का दौरा पड़ने से हो गया। स्व0 इंदौरी हिन्दी और उर्दू साहित्य के बीच सबसे मजबूत स्तंभ माने जाते थे।

काँग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री और सांसद रामदेव राय का निधन दिनांक-29 अगस्त, 2020 को हो गया।

तिरूपति से वाइ0एस0आर0 काँग्रेस से लोक सभा सांसद बल्ली दुर्गा प्रसाद का निधन दिनांक-16 सितम्बर, 2020 को कोरोना के कारण हो गया।

पूर्व मंत्री मोतीलाल सिन्हा कानन का निधन दिनांक-10 मार्च, 2020 को हो गया। स्व0 कानन हाजीपुर से तीन बार विधानसभा सदस्य रहे। स्व0 कानन बिहार सरकार में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज्यमंत्री भी रहे।

मशहूर बॉलीवुड अभिनेता ऋषि कपूर का निधन दिनांक-30 अप्रैल, 2020 को हो गया। स्व0 कपूर को अभिनय के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके बेहतरीन अदाकार इरफान खान का निधन दिनांक-24 अप्रैल, 2020 को हो गया। इरफान खान की अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म ''लाईफ ऑफ पाई'' को चार ऑस्कर पुरस्कार मिले थे।

चार सौ से ज्यादा फिल्मों में अभिनय कर चुके हास्य कलाकार जगदीप का निधन-08 जुलाई, 2020 को हो गया।

झारखण्ड आंदोलनकारी बलराम दास गोस्वामी का निधन दिनांक-17 जून, 2020 को हो गया। स्व0 दास ने झारखण्ड मुक्ति मोर्चा में रह कर झारखण्ड आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभायी थी।

झारखण्ड पार्टी के टिकट पर शिकारीपाड़ा विधानसभा सीट से विधायक रहे शिबू मुर्मू का निधन दिनांक-12 जून, 2020 को हो गया। स्व0 मुर्मू झारखण्ड अलग राज्य आंदोलन में सदैव सक्रिय रहे।

मशहूर चित्रकार लेखक एवं वास्तुकार सतीश गुजराल का निधन दिनांक-26 मार्च, 2020 को हो गया। स्व0 गुजराल को पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था।

20 जून, 2020 को चीनी सैनिकों के साथ मुठभेड़ में साहिबगंज के कुंदन कुमार ओझा शहीद हो गये। साहिबगंज के कुलदीप उराँव भी आतंकी मुठभेड़ में श्रीनगर में दिनांक-02 जुलाई, 2020 को शहीद हो गये। इनके अतिरिक्त गलवान घाटी में हुए हिंसक झड़प में देश के 20 जवान शहीद हो गये। बंगाल में आये चक्रवाती तूफान अम्फान से 72 लोगों की मृत्यु हो गयी। कोरोना संकट से घर वापस लौट रहे बोकारो जिले के 25 प्रवासी मजदूरों का दुर्घटना में यु0पी0 से औरैया जिले में मृत्यु हो गयी। विशाखापतनम में हुए गैस रिसाव से 11 लोगों की मृत्यु हो गयी। पी0टी0आई0 के ब्यूरो चीफ रहे पी0वी0 रामानुजम का निधन भी पिछले दिनों हो गया।

देश में अब तक कोरोना से काफी लोग अपनी जान गँवा चुके हैं। झारखण्ड में एक ही परिवार से 5 सदस्यों की कोरोना से मौत की अत्यंत ही मार्मिक घटना घटित हुई। मैं तमाम दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी श्रद्धा निवेदित करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इनके परिजनों को शोक सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

तत्पश्चात् सदन नेता मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन, श्री आलमगीर आलम, श्री सुदेश महतो, श्री प्रदीप यादव, श्री सत्यानंद भोक्ता, श्री कमलेश सिंह, श्री विनोद कुमार सिंह, श्री सरयु राय एवं श्री अमित कुमार यादव द्वारा भी शोक संवेदनाएँ प्रकट की गयीं तथा सदन में दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी।